हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 11 अक्टूबर 2026

9 एक्सग्रेसिया नीति की शर्तें हटाकर पूर्ण रूप से ...



10 शारदीय नवरात्र आज से, नौ दिनों तक मंदिरों ...



महाराजा अग्रसेन जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ

जयंती समारोह व माल्यार्पण : 11 अक्टुबर 2026



प्रदीप बंसल
जिला अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद, भिवानी



नवीन गुप्ता
जिला कोषाध्यक्ष, भाजपा भिवानी



धर्मेंद्र जिंदल
कैरू मण्डल प्रभारी, भाजपा भिवानी



बजरंग बहलिया
प्रधान, जन सेवा संस्थान भिवानी



नरेश ढिगावा
उप-प्रधान, श्री अग्रसेन ट्रस्ट, भिवानी



गर्ग
गोयल
बंसल
कंसल
सिंघल
मंगल
जिंदल
तिंगल
ऐरण

धारण
भंदल
बिंदल
मित्तल
कुच्छल
तायल
मधुकुल
नागल
गोयन



अमित बंसल मुंदालिया
प्रांत संयोजक, स्वदेशी व्यापारी मंच, हरियाणा



संदीप भूत
जिला संयोजक, स्वदेशी व्यापारी मंच, भिवानी



दीपक बंसल
उप-प्रधान, श्री अग्रसेन ट्रस्ट, भिवानी



दिवाकर जैन
सचिव, श्री अग्रवाल सभा, भिवानी



मनीष वैद
कोषाध्यक्ष, श्री अग्रवाल सभा, भिवानी

शोभा यात्रा
11 अक्टुबर 2026 रविवार

समय : सायं 3:00 बजे

स्थान : अग्रसेन भवन से हालू बाजार, बिचला बाजार, सराय चौपटा, नया बाजार होते हुए भूत परिवार मंदिर में समापन होगा ।

आप सभी शहरवासियों से सादर निवेदन है कि महाराजा अग्रसेन जी की भव्य शोभायात्रा में सपरिवार सम्मिलित होकर यात्रा की शोभा बढ़ाएँ तथा अपनी उपस्थिति से इस पावन अवसर को और भी भव्य एवं यादगार बनाएँ।



रामचन्द्र मित्तल
प्रसिद्ध समाजसेवी



सुमित खेमका
पूर्व प्रधान
श्री अग्रवाल सभा भिवानी



सुमित डालमिया
डालमिया मोल्ड्स प्रा.लि.
भिवानी



पवन रानीसतिया
कार्यकारिणी सदस्य
व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा भिवानी



दिनेश गोयल
कार्यकारिणी सदस्य
श्री अग्रवाल सभा, भिवानी



पंकज गोयल
जानू फूड कैटर्स
भिवानी



राहुल बासिया
पूर्व प्रधान, जे.सी.आई
भिवानी



राजीव मित्तल
सागर ट्रैवल मार्ट
जिला मेला प्रमुख
स्वदेशी जागरण मंच, भिवानी



प्रकाश मित्तल
उप-प्रधान
श्री अग्रवाल सभा भिवानी
प्रमोद जनरल स्टोर भिवानी



वरूण सिंगला
युवा जिला अध्यक्ष
अग्रवाल वैश्य समाज,
भिवानी



दीपक नहाड़िया
प्रधान, बुक सैलर एंड स्टेशनर्स एसोसिएशन,
जिला का. सदस्य व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा
भिवानी



अमित गुप्ता
प्रधान, जे.सी.आई
भिवानी



पूनम चंद
टीटू घंटाघर वाले



अमित सिंगल रावलवासिया
रावलवासिया प्लास्टिक इंडस्ट्रीज
श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर जनकल्याण ट्रस्ट के ट्रस्टी
हिंदू रत्न से सम्मानित होने वाले पहले हरियाणा निवासी

खबर संक्षेप

कुगड़ में फूंका चुनाव आयुक्त का पुतला

बवानीखेड़ा। चन्देरा चौक कुगड़ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया ओर सरकार की तानाशाही का पुरजोर विरोध किया गया। छात्र नौजवान संगठन के नेताओ को नजरबंद करने व गिरफ्तार करने की निंदा की और कहा की सरकार की तानाशाही ओर लोकतंत्र को खत्म करने पर आमदा है उसका देश की जनता विरोध करेगी और सरकार को सता से उखाड़ फेकेगी।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए कार्यक्रम घोषित

भिवानी। हरियाणा में नेटबॉल खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश की श्रेष्ठता को बरकरार रखने के लिए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन ने अपनी कमर कस ली है। हरियाणा नेटबॉल एसो. की महासचिव बबीता दहिया ने बताया कि सत्र 2026-27 के तहत होने वाली राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप की तारीखों और आयोजन स्थलों का आधिकारिक हुआ है। दहिया ने बताया कि तीसरी सीनियर राष्ट्रीय मिश्रित नेटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 3 से 6 दिसंबर तक मधुबन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन इंदौर में किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

चरखी दादरी। दादरी-रेवाड़ी रेल ट्रैक पर पातुवास रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पातुवास के रामअवतार ने बताया कि उसका 31 वर्षीय बेटा राकेश कुमार शुक्रवार शाम झाड़ली प्लांट में काम करने के लिए घर से निकला था। शनिवार सुबह उन्हें सूचना मिली कि पातुवास के नजदीक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई है।

जिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 28 से

भिवानी। जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने और स्केटिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग एसोसिएशन द्वारा 28 अक्टूबर को जिला रोड स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर एसो. ने जिले के सभी स्कूलों व शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को निमंत्रण पत्र भेजकर प्रतिभागियों की प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं।

श्राद्ध का अर्थ है -श्रद्धा और पूर्वजों का सम्मानः सुमित्रा

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धीधाम में श्राद्धपक्ष की अमावस्या पर पूर्वजों के निमित भोग का आयोजन किया। शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने बताया कि श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा। जब हमारे पूर्वजों अपने बीच थे तो उनके प्रति हमारी क्या श्रद्धा थी और आज क्या श्रद्धा है, उन्हें अपने बीच न होते हुए भी हम उन्हें साथ होना महसूस करते हैं।

भाविप ने वितरित किए तुलसी के 70 पौधे

चरखी दादरी। भारत विकास परिषद शाखा चरखी दादरी की ओर से पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 70 तुलसी के पौधों का वितरण किया गया। परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुरेश जैन के 70वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम प्रांतीय अध्यक्ष राजेश गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तुलसी का पौधा भारतीय संस्कृति और परंपराओं में विशेष स्थान रखता है।

32 मरीजों की जांच कर बांटी निःशुल्क दवाइयां

भिवानी। ग्रामीण अंचल में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भिवानी जिले के गांव चांग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में शनिवार को आयुर्वेदिक उपशामक चिकित्सा शिविर एवं योग जागरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चांग में अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सराहनीय सेवाएं दीं। शिविर में 32 मरीजों का परीक्षण किया गया और उन्हें उचित परामर्श व आयुर्वेदिक दवाइयां वितरित की ।

डीवाईएफआई व एसएफआई कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी का किया विरोध

किसान सभा व सीटू ने प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त के फूंके पुतले

- किसान सभा व सीटू ने एसआईआर रद्द करने व हटाए गए वोट दोबारा जोड़ने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन करने, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को रोकने व दिल्ली में डीवाईएफआई व एसएफआई के 300 से अधिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी करने की निंदा की। अखिल भारतीय किसान सभा और सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को भिवानी सहित जिले के विभिन्न कस्बों में जोरदार प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों ने भिवानी सहित जिले के बवानीखेड़ा, धनाना, मिराण, ओबरा, कैरू तोशाम, लोहारू, ईशरवाल, कुंगड़ व बलियाली सहित विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले फूंके और उनके पद से हटाने की मांग की। वहीं एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने, मतदाता सूचियों से हटाए सभी पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा शामिल करने की मांग उठाई। भिवानी में शहीद भगत सिंह यादगार भवन से प्रदर्शन शुरू होकर कोर्ट रोड तक पहुंचा। वक्ताओं ने कहा कि दिल्ली में लोकतांत्रिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े सवालों को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे लोगों को रोकना बेहद गंभीर मामला है। भिवानी से दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे अनेक लोगों को पुलिस ने रास्ते में ही रोक लिया और हिरासत में लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में अभिषेक शर्मा सहित 300 नौजवानों को गिरफ्तार किया और कई लोगों को नजरबंद किया, जबकि कोकरोच पार्टी के नेता लोकेश कुमार को रास्ते में उतारकर हिरासत में लिया। किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन, सुबेदार धनपत, कर्ण सिंह जैनावास, सीटू नेता सुखदेव पालुवास व कामरेड अनिल कुमार के नेतृत्व में विभिन्न जगहों पर ज्ञानेश कुमार के पुतले फूंके।



भिवानी। चिड़ियाघर रोड पर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंकते किसान सभा व सीटू के कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

आंदोलन में शामिल होने से रोकने का प्रयास

अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल ने आरोप लगाया कि कई नेताओं के घरों पर पुलिस भेजकर आंदोलन में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित होने और संगठन बनाने का अधिकार प्राप्त है। सरकार और प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण विरोध को रोकना इन लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में बैरिकेडिंग, आवाजाही में बाधाओं और नेताओं व कार्यकर्ताओं को रोकने की कार्रवाइयों से सरकार की दमनकारी नीति उजागर होती है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया से करोड़ों मतदाताओं के नाम हटाए गए। वहीं बिहार, असम व पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की उठाई मांग

कामरेड ओमप्रकाश व कमल सिंह प्रधान ने मांग की कि मतदाता सूची से हटाए गए सभी पात्र मतदाताओं के नामों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें दोबारा जोड़ा जाए और एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की पूर्व व्यवस्था बहाल करने की मांग की। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जनता का विश्वास मजबूत करने के लिए ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना कोई अपराध नहीं है। किसान, मजदूर और आम नागरिक अपने अधिकारों तथा निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की रक्षा के लिए आवाज उठाते रहेंगे।

प्रदर्शन में ये रहे शामिल

इस अवसर पर सज्जन कुमार सिंगला, निर्मल सिंह, जयपाल साहू, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के रतन कुमार जिंदल, नरेंद्र धनाना, रतन कालुवास, दिलबाग कालुवास, प्रह्लादराय, ईश्वर कोंट, अनिल शेषमा, सुखपाल सिंह, राजाराम, अमीरसिंह, भीमसिंह, राजकुमार दलाल, ओमप्रकाश दलाल, रामनारायण, रमन, अनिल श्योराण सहित अनेक किसान, मजदूर व जनसंगठनों के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

एचसीएस परीक्षा में सफल डॉ. पराग रजत व विनिता को कर्नल ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी



हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले के तीन युवाओं ने क्षेत्र का मान बढ़ाया है। गांव ढाणी फौगाट निवासी रजत फौगाट, गांव डाढी बाना निवासी डॉ. पराग पिलानिया और गांव दातोली निवासी विनीता पहल की उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। पूर्व विधायक कर्नल रघबीर सिंह छिल्लर ने तीनों सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि युवाओं की मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। तीनों ने अपनी सफलता से परिवारों के साथ पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। कर्नल छिल्लर ने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर प्रतिष्ठित प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि निरंतर प्रयास, सही दिशा में तैयारी और आत्मविश्वास के बल पर कठिन लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि तीनों अभ्यर्थी भविष्य में प्रशासनिक सेवाओं के माध्यम से जनहित और प्रदेश के विकास में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता से क्षेत्र के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

आरपीएस स्कूल में हुई प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल भड़फ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी मेरा भारत-सेवा संकल्प अभियान 2026-27 के अंतर्गत ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कला और रचनात्मकता से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य थीम सेवा-संस्कार-संकल्प रहा। गुरुवार को सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने की। विद्यालय के 28वें शैक्षिक वर्ष में आयोजित इस कार्यक्रम ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के महत्व को भी रेखांकित किया। प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी से आठ तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने मेरा भारत, स्वच्छ भारत, सेवा ही धर्म है और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे विषयों पर अपनी कल्पना को कैनवास पर उतारा। मुख्य अतिथि डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने कहा कि कला बच्चों के सर्वांगीण विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। वहीं चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस संस्थान का लक्ष्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है। आरपीएस महेंद्रगढ़ प्राचार्य डॉ किशोर तिवारी, आरपीएस कनीना की प्राचार्य ज्योति भट्ट, समस्त स्टाफ व शिक्षक मौजूद रहे।



कनीना। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

वकीलों ने डीसी से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जिला बार एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान अधिवक्ता युधिष्ठिर वत्स के नेतृत्व में उपायुक्त साहिल गुप्ता से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान वकीलों की सुविधाओं और बार एसो. के समग्र विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अधिवक्ता मनमोहन भुरटाना ने उपायुक्त के समक्ष डी-प्लान के तहत बार के विकास कार्यों और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने को आर्थिक एवं प्रशासनिक सहयोग का आग्रह किया। उपायुक्त साहिल गुप्ता ने आग्रह को बेहद गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि सकारात्मक विचार किया जाएगा। वहीं कोर्ट परिसर में आने वाले आमजन और वादकारियों को भी बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। प्रतिनिधिमंडल में कांति कौशिक, महेश भारद्वाज, प्रवीण अत्री, मनमोहन भुरटाना, राजेश तंवर, कुलदीप शर्मा आदि शामिल थे।



भिवानी। उपायुक्त साहिल गुप्ता से मुलाकात करता जिला बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल। *फोटो : हरिभूमि*

मांगों और विकास कार्यों की चर्चा

उपायुक्त गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि जिला बार के सर्वांगीण विकास में जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। बैठक के उपरांत जिला बार एसो. के प्रधान अधिवक्ता युधिष्ठिर वत्स ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त साहिल गुप्ता से मुलाकात कर बार की विभिन्न मांगों और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की।



चरखी दादरी। सड़क की मंजूरी मिलने पर आभार जताते ग्रामीण।

रामपुरा-गोलपुरा सड़क निर्माण को मंजूरी

चरखी दादरी। दादरी विस क्षेत्र के गांव रामपुरा से गोलपुरा तक चार किलोमीटर लंबी नई सड़क के निर्माण को प्रदेश सरकार से मंजूरी मिलने पर दोनों गांवों के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क की स्वीकृति दिलाने के लिए ग्रामीणों ने विधायक सुनील सतपाल सांगवान और प्रदेश सरकार का आभार जताया। ग्रामीणों ने बताया कि रामपुरा से गोलपुरा तक का रास्ता लंबे समय से कच्चा और बदहाल था। इसके चलते दोनों गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। विशेषकर किसानों को खेतों तक पहुंचने और फसलों व अनाज की ढुलाई करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बारिश के दौरान रास्ते की स्थिति और खराब होने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ जाती थीं। ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण दोनों गांवों के लोगों की पुरानी मांग रही है। विधायक सुनील सांगवान ने ग्रामीणों की समस्या को सरकार के समक्ष उठाया, जिसके बाद सड़क निर्माण को मंजूरी मिली। सड़क निर्माण की मंजूरी पर ग्रामीणों ने एकत्रित होकर विधायक के प्रयासों की सराहना की और मुख्यमंत्री का भी धन्यवाद किया।

स्टाफ की ट्रेनिंग पूरी, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार, आपातकालीन स्थिति में मरीजों को मिल सकेगा रक्त

आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है

बौंदकलां सीएचसी में जल्द शुरू होगी 50 यूनिट क्षमता की ब्लड स्टोरेज यूनिट

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने की दिशा में बौंद कलां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में 50 यूनिट क्षमता की ब्लड स्टोरेज यूनिट जल्द शुरू होने की संभावना है। यूनिट के संचालन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया गया है। चिकित्सक, लैब टेक्नीशियन और नर्सिंग स्टाफ की ट्रेनिंग भी पूरी हो चुकी है। सीएमओ डॉ. सुमन तंवर ने बताया कि बौंद कलां सीएचसी में ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि यूनिट का जल्द ही शुभारंभ होने की संभावना है। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को रक्त की जरूरत पड़ने पर कई बार जिला अस्पताल या दूसरे स्वास्थ्य संस्थानों का रुख करना पड़ता है। विशेषकर सड़क हादसों, प्रसव के दौरान अधिक रक्तस्राव और अन्य गंभीर चिकित्सा परिस्थितियों में समय पर रक्त उपलब्ध होना बेहद जरूरी होता है। ऐसे मामलों में मरीज के परिजनों को रक्त की व्यवस्था करने के लिए दूसरे शहरों में जाना पड़ता है।



ग्रामीण आबादी को मिलेगा लाभ

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने से मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध करवाना आसान होता है। बौंद कलां सीएचसी में ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को रक्त की उपलब्धता के लिए दूर जाने की आवश्यकता कम होगी। खासकर प्रसव संबंधी जटिलताओं, दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर मामलों में यह सुविधा उपयोगी साबित हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से यूनिट के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं और स्टाफ का प्रशिक्षण पूरा किया जा चुका है। अब इसके शुभारंभ की प्रतीक्षा है। यूनिट शुरू होने के बाद स मरीजों और उनके परिजनों को समय पर रक्त की व्यवस्था करने में राहत मिलने की उम्मीद है।

न्यूज डायरी



किसान सभा ने ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

तोशाम। अखिल भारतीय किसान सभा तोशाम ने प्रधान कर्ण सिंह जैनावास के नेतृत्व में उपमंडल के गांव मीरान और ईशरवाल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उनका पुतला जलाकर विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को मीरान व ईशरवाल गांवों में प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतला फूंकते हुए उनके पद से हटाने की मांग की। इस अवसर पर मास्टर जगरोशन, ईश्वर सिंह सरपंच, रणधीर सांगवान, दिनेश, बलराज, इंद्र सिंह, अशोक कुमार, महेंद्र सिंह, सतपाल शर्मा, मनजीत,माईप्रसन्न, महावीर सिदान, वीरेंद्र सिंह, मीर सिंह सहित अनेक किसान, मजदूर और जनसंगठनों के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। ईशरवाल में मास्टर धूप सिंह, संजय, महावीर नाई, बलराज रोमांस, मनजीत रोढां, बीर सिंह, मुन्ना महला, बलवान, ईश्वर, सोमबीर, कुलदीप, राजेश, मुकेश सहित अनेक किसानों ने शिरकत की।



जलघर के टैंकों की सफाई को लेकर प्रदर्शन आज

भिवानी। डॉबर कॉलोनी स्थित जलघर के टैंकों की बनने के बाद आज तक सफाई ही नहीं हुई है। सफाई न होने की वजह से टैंकों में पांच से छह फुट तक शिल्ट जमा है। उस शिल्ट के उपर हरे रंग की बड़े पत्तों की बेल उग आई। इसी जलघर से आधे से ज्यादा शहर के लोगों का हलक तर किया जा रहा है। उक्त जलघर के टैंकों की सफाई की मांग को लेकर 11 अक्टूबर को नप के पार्षद व शहर के अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्य पार्षद सुभाष तंवर की अगुवाई में उक्त जलघर परिसर में प्रदर्शन करेंगे। ताकि कुम्भीकरणी नींद सोया पब्लिक विभाग के अधिकारियों की नींद खुलवाई जा सके। शहर में चलाया जनसम्पर्क अभियान नप के पार्षद सुभाष तंवर व पार्षद संदीप यादव ने जलघरों की सफाई की मांग को लेकर शनिवार को शहर की बाहरी कॉलोनियों में जनसम्पर्क अभियान चलाया।



नप ने चलाया सेक्टर में सफाई अभियान

भिवानी। शनिवार को शहर की पॉश कॉलोनी सेक्टर -13 में नप के सफाई कर्मचारियों ने पार्षद संदीप यादव की अगुवाई में सफाई अभियान चलाया। नप के दस्ते ने उक्त इलाके में सड़क किनारे पड़े कचरे,पेड़ों की टहनियां व अन्य कचरे को इकठ्ठा करके जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर ट्राली में लादा। करीब तीन से चार घंटे तक उक्त अभियान जारी रहा। जहां पर भी कचरा नजर आया। वहीं से जेसीबी की मदद से उठाया गया। उसके बाद नप की टीम सेक्टर 23 में पहुंची और पर भी सफाई अभियान चलाया। लोगों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का आहवान किया। इस मौके पर पार्षद संदीप यादव ने लोगों से घरों से निकलने वाला कचरा नप के टीपर में डालने या फिर निर्धारित जगह पर ही डालने का आहवान किया।



विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलाई

तोशाम। गांव देवराला स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में नशे के खिलाफ अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता बिधनोई आश्रम के तपस्वी बालयोगी दीवाली नाथ महाराज ने की वहीं विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। दीवाली नाथ महाराज ने कहा कि नशे का चलन अब युवा वर्ग के साथ-साथ स्कूली बच्चों के बीच भी चिंता का कारण बनता जा रहा है। कई स्थानों पर कम उम्र के बच्चे जानलेवा नशे से मौत को खत लिखने का काम कर रहे हैं। बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति से अभिभावक परेशान हैं। नशे की लत के कारण कुछ बच्चे और युवा घर में चोरी करने, गाली-गलौज और मारपीट तक करने लगते हैं। इससे कई परिवारों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस मौके पर पंच गुलशन निरंकारी ने कहा कि युवा देश की शान है और नशा नाश का घर है। निरंकार प्रभु परमात्मा ने इंसान रूप में अमूल्य जीवन दिया है और उसका सादा जीवन उच्च विचार से मोल डालना चाहिए।

कर्मचारी मांगों को लेकर 24 डालेंगे महापड़ाव

चरखी दादरी। हरियाणा गर्व. पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा, जिला दादरी की बैठक यूनियन कार्यालय में जिला प्रधान सत्यवीर सरोहा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव नवदीप फौजी ने किया। राज्य उपप्रधान अफलातून जाखड़ ने मुख्य वक्ता के रूप में कर्मचारियों को संबोधित किया। अफलातून जाखड़ ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में वर्ष 2020 से 2023 तक की बकाया एलटीसी का भुगतान, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, आठवां वेतन आयोग लागू करना, पुरानी पेंशन योजना बहाल करना और एक्सग्रेशिया नीति में 52 वर्ष की आयु संबंधी शर्त हटाना शामिल है। प्रधान सत्यवीर सरोहा ने बताया कि 24 अक्टूबर को जनस्वास्थ्य मंत्री के निवास स्थित कैंप कार्यालय पर महापड़ाव किया जाएगा।

रामलीला के आयोजन स्थल का किया निरीक्षण

भिवानी। धर्मनगरी भिवानी में श्रीअग्रसेन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में इस वर्ष संपूर्ण रामलीला महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन सेठ किरोड़ीमल पार्क में 11 से 20 अक्तूबर तक प्रतिदिन रात्रि 7 बजे से आरंभ होगा। शनिवार को श्रीरामलीला कमेटी के प्रधान विजय बंसल ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन पूर्ण रूप से आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था सीसीटीवी कैमरों की कड़ी निगरानी में होगा, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि रावण के पुतलों की सुरक्षा के लिए एक विशेष प्रबंध किया है।

तोशाम बाईपास पुल की लाइटें दे रही हैं जवाब

भिवानी। तोशाम बाईपास पुल पर रात के समय रोशनी के लिए लगाई गई लाइटें पिछले कई महीनों से आऊट ऑफ आर्डर है। जिस वजह से लोगों को अंधेरे में ही पुल को पार करना पड़ रहा है। इस बारे में बई बार शिकायत की गई,लेकिन आज तक पुल पर लगी लाइटों को दुरुस्त नहीं किया गया है। जिसके चलते पुल पर हमेशा दुर्घटना घटने का अंदेशा बना रहता है।

ग्राम पंचायत कितलाना
ब्लाक भिवानी।
नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कितलाना ब्लॉक भिवानी जिला भिवानी एस.सी. चौपाल में निकले लकड़ी व लोहे के कबाड़ की खुली बोली दिनांक 19.10.26 को समय सुबह 11 बजे एस.सी. चौपाल में की जाएगी। बोलीदाता को बोली लगाने के लिए जमानत राशि 20,000 रुपये मौका पर जमा करवाने होंगे। अन्य शर्तें बोली पर ही सुनाई जाएगी।

हस्ता/- सरपंच, ललिता देवी
ग्राम पंचायत कितलाना, जिला भिवानी

हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 11 अक्टूबर 2026

खेल महाकुंभ के जिला स्तरीय ट्रायल 12 व 13 को

चरखी दादरी। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2026-27 के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल की तिथियों में बदलाव किया गया है। अब महिला और पुरुष खिलाड़ियों के ट्रायल 12 व 13 अक्टूबर को संयुक्त रूप से आयोजित किए जाएंगे। पहले निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी कार्यकारी जिला खेल अधिकारी विष्णु भगवान ने दी। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, साइकिलिंग, कैनोइंग, बेसबॉल, जूडो, जिम्नास्टिक, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, क्रिकेट, फेंसिंग, फुटबॉल, हैंडबॉल और हॉकी के ट्रायल होंगे। वहीं, 13 अक्टूबर को कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, खो-खो, नेटबॉल, थ्रोबॉल, रोइंग, लॉन टेनिस, शूटिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, ताइक्वांडो, वुशू और कराटे के लिए चयन किया जाएगा। सभी ट्रायल सुबह 8 बजे शुरू होंगे। खेलों के अनुसार अलग-अलग मैदान निर्धारित किए गए हैं।

वर्धमान ज्वैलर्स
SUNDAY OPEN
Vardhman Gold Rate Safety (GRS)
ऑफर सीमित समय के लिए
बढ़ते हुए भाव से अब चिंता खत्म
भाव कम हो या ज्यादा, आपको कम वाला ही लगेगा।
• आज का गोल्ड भाव बुक करें
• कम हो जाये तो कम वाला भाव लगेगा
• ऊपर जाए तो बुकिंग भाव सुरक्षित
• पूरी जानकारी के लिए सम्पर्क करें वर्धमान ज्वैलर्स


निराम व शर्मा लाएं
संचालक :
सचिन जैन
पूरी जानकारी के लिए आज ही आएँ : वर्धमान ज्वैलर्स, घंटाघर बाज़ार, भिवानी M.: 92156 56444

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING
2 Years GNM Pass
GNM
3 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students
ANM
2 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING
4 Year | 10+2 (Medical)

Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933

एक्सग्रेसिया नीति की शर्तें हटाकर पूर्ण रूप से बहाल करने की मांग

एकजुटता से ही कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संभव: राणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी


भिवानी। बैठक के दौरान विरोध जताते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय बैठक शनिवार को चिड़ियाघर रोड स्थित जिला यूनियन कार्यालय में हुई। बैठक की जिला कोषाध्यक्ष सतबीर सिंह राणा की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में जिले की सभी ब्रांचों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में विशेष रूप से राज्य कोषाध्यक्ष श्रीभगवान अहलावत, राज्य वरिष्ठ उपप्रधान बलवान सिंह कालिरमणा, राज्य वरिष्ठ उपप्रधान राकेश कुमार जांगड़ा, राज्य उपप्रधान सुरेंद्र कुमार टोनी, राज्य उपकोषाध्यक्ष रिंकू यादव, राज्य मुख्य सलाहकार सीताराम सुथार, राज्य कार्यालय सचिव सुरेश कुमार कौशिक, राज्य संगठन सचिव अनूप सिंह, राज्य प्रचार सचिव कृष्ण कुमार, राज्य पूर्व प्रचार सचिव अनिल बलहारा, राज्य पूर्व मुख्य सलाहकार सज्जन कुमार तथा बीएंडआर से प्रेम जांगड़ा उपस्थित रहे।

मंच संचालन जिला सचिव कमलजीत जांगड़ा ने किया। प्रेस प्रवक्ता अमित जांगड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य वरिष्ठ उपप्रधान राकेश कुमार जांगड़ा एवं राज्य मुख्य सलाहकार सीताराम सुथार ने कहा कि सिंचाई विभाग, भवन एवं मार्ग विभाग व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों की अनेक मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिनमें एचआरएमएस पोर्टल पर पदों को दर्ज करवाकर पदोन्नति का रास्ता साफ करना, कौशल रोजगार निगम, मिस्ट्रोल एवं टर्म अपॉइंटी के तहत कार्यरत कर्मचारियों को समय पर वेतन देना, ग्रुप-डी कर्मचारियों को पहले की तरह 440 रुपये वर्दी भत्ता वेतन के साथ देना, कैशलेस चिकित्सा सुविधा पूर्ण रूप से लागू करना तथा नई पेंशन नीति समाप्त कर पुरानी पेंशन नीति बहाल करना प्रमुख हैं।

यहे रहे उपस्थित

इस अवसर पर पीएच शाखा तोशाम से कर्णसिंह लाम्बा, उमेद, विजेंद्र, धर्मबीर जांगड़ा, कैरू से सोनू वर्मा, नरेंद्र लेघां, जगदीश, पीएच शाखा फील्ड से आनंद श्योराण, संजय बापोड़ा, अमित पहल, पीएच शाखा शहरी भिवानी से जयकिशन शर्मा, संदीप कोट, बजरंगलाल, धूपसिंह, लीला आदि उपस्थित रहे।

ये हैं प्रमुख मांगें

उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान मृत कर्मचारी के परिवार को 30 लाख रुपये जोखिम भत्ता तथा सरकार की हिदायतों के अनुसार आश्रित को नौकरी दी जाए। एक्सग्रेसिया नीति में लागू पांच वर्ष एवं 52 वर्ष की सेवा संबंधी शर्तों को हटाकर इसे पूर्ण रूप से बहाल किया जाए। वहीं कौशल कर्मियों को नियमित करने की सरकार की नीति को तुरंत लागू किया जाए। पोर्टल पर विभागीय गलतियों के कारण दर्ज मोबाइल नंबर, सरनेम, जन्मतिथि एवं आधार कार्ड संबंधी त्रुटियों को भी शीघ्र ठीक किया जाए, ताकि कर्मियों को नौकरी की सुरक्षा एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त करने में परेशानी न हो।


चरखी दादरी। प्रतियोगिता में भाजपा जिलाध्यक्ष राष्ट्रदीप को सम्मानित करते आयोजक।

आर्यन मॉडल स्कूल में स्विमिंग चैंपियनशिप शुरू

चरखी दादरी। आर्यन मॉडल स्कूल में आयोजित 9वीं जिला स्विमिंग चैंपियनशिप में भाजपा जिला अध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अभ्यास और मेहनत के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। परमार ने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, परिश्रम और टीम भावना जैसे गुण विकसित होते हैं। जिला स्तर की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता हासिल करने के लिए नियमित अभ्यास, दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत जरूरी है। कार्यक्रम में हरियाणा स्विमिंग संगठन के वाइस प्रेसिडेंट इंद्रजीत फोगाट, जिला अध्यक्ष विक्रमजीत, जिला उपाध्यक्ष विक्रम फोगाट, जनरल सेक्रेटरी जगत, सूर्यदीप रावलधी और दादरी विधानसभा भाजपा मीडिया प्रभारी पंकज कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पदक विजेता इशिका संभ्रवाल को सम्मानित किया

भिवानी। स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा पार्क समिति कीर्तिनगर द्वारा तीन बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता महान हॉकी खिलाड़ी एवं कोच बलबीर सिंह की जयंती पर उन्हें नमन किया और एशियन हॉकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता गांव बापोड़ा की बेटी इशिका संभ्रवाल को सम्मानित किया। इशिका संभ्रवाल ने वर्ष 2024 में महिला जूनियर हॉकी एशिया कप स्वर्ण पदक, वर्ष 2025 में महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप, वर्ष 2024 में खेलो इंडिया चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक, वर्ष 2019 में 64वें राष्ट्रीय स्कूल गेम में स्वर्ण पदक, वर्ष 2021 व 2022 में 11वीं एवं 12वीं सब जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में पदक जीते। इस अवसर पर सेवानिवृत बीडीपीओ राजकुमार शर्मा ने कहा कि युवाओं को इशिका की उपलब्धियों से शिक्षा लेनी चाहिए। इशिका ने इन उपब्धियों का श्रेय उनके पिता हॉकी कोच एवं जिला खेल अधिकारी वीरेंद्र संभ्रवाल को दिया। इस अवसर पर जगतनारायण भारद्वाज, रामनिवास इंस्पेक्टर, बलबीरसिंह रंगा, धर्मबीर सिंह रंगा फौजी, कृष्ण भारद्वाज, बलवन्त नागर एसडीओ, आदित्य शर्मा, भूपेंद्र शर्मा प्रवक्ता, भीम सौपर्ण, धर्मबीर घनघस, सुभाष फौजी कायला, कपूर शर्मा, कुलदीप हरोदिया, रघुबीर सिंह खटक मैनेजर व कुलदीप शर्मा आदि उपस्थित रहे।


भिवानी। स्वर्ण पदक विजेता इशिका को सम्मानित करते समिति के सदस्य।


बवानीखेड़ा। निरीक्षण करते हुए विद्यालय प्राचार्य दिनेश कुमार।

खंड स्तरीय प्रतियोगिता में राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि के विद्यार्थी छाये

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा खंड में आयोजित खंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। बीईओ सतेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में बवानीखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने विजयपताका का झंडा लहराया। चयनित विद्यार्थी अब जिला स्तर पर बवानीखेड़ा खंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्राचार्य दिनेष कुमार व स्टाफ द्वारा मिलकर पहले बच्चों की प्रदर्षनी लगाकर प्रतियोगिता में विजयपताका के गुर सिखाए ताकि विद्यार्थी बाजी मार सकें। स्वास्थ्य और स्वच्छता में 12वीं के विद्यार्थी फिरोज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, आपदा प्रबंधन विषय में 10वीं कक्षा के शुभम विद्यार्थी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नए न्यायिक परिसर और बार भवन के निर्माण का रास्ता होगा साफ

चरखी दादरी। जिला बार एसोसिएशन दादरी के प्रधान बलजीत सांगवान और सचिव एडवोकेट नवीन धवन ने शुक्रवार को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश एवं इंस्पेक्टिंग जज जस्टिस एएस ग्रेवाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान जिले में न्यायिक सुविधाओं के विस्तार, नए न्यायिक परिसर, बार एसोसिएशन भवन और अधिवक्ताओं के लिए लॉयर्स चैंबर्स के निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बार एसो.प्रधान बलजीत सांगवान ने दादरी में नए ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स और बार एसोसिएशन भवन का निर्माण जल्द शुरू करवाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि जिले में न्यायिक आधारभूत ढांचे का विस्तार आवश्यक है, जिससे अधिवक्ताओं को बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध होने के साथ न्यायालयों में आने वाले वादकारियों को भी सुविधाएं मिल सकेंगी। मुलाकात के दौरान अधिवक्ताओं के लिए लॉयर्स चैंबर्स के निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। प्रधान ने कहा कि चैंबर्स की उपलब्धता अधिवक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही जरूरत है। इसके लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आग्रह किया। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार, जस्टिस एएस ग्रेवाल के साथ इन मांगों पर सकारात्मक चर्चा हुई।


चरखीदादरी। जस्टिस एएस ग्रेवाल से मुलाकात करते बार प्रधान बलजीत सांगवान व सचिव नवीन धवन।


स्व. श्री अनिल संगई (मन्नू जी)
की स्मृति में उनके जन्मदिवस के अवसर पर
kaddam Multispeciality Hospital
कदम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
NABH
A 100 Bedded Fully NABH ACCREDITED HOSPITAL
रक्तदान है जीवनदान
रक्तदान शिविर
आपका एक यूनिट रक्त, किसी की जिंदगी बचा सकता है रक्तदान करें और मानवता की सेवा में अपना योगदान दें।
एवं
निःशुल्क OPD कैंप
हमारे प्रमुख विभाग
हड्डी रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण
जनरल सर्जरी
न्यूरो सर्जरी
हृदय रोग
स्त्री एवं प्रसूति रोग
नवजात शिशु एवं बाल रोग
पल्मोनोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर
फिजिशियन एवं मेडिसिन
नेफ्रोलॉजी
पैथोलॉजी
एनेस्थीसियोलॉजी
रेडियोलॉजी
फिजियोथेरेपी
स्वास्थ्य जाँचों पर विशेष छूट उपलब्ध
हमारी सुविधाएं
•100 बेडेड आधुनिक अस्पताल • आधुनिक ऑपरेशन थिएटर • सभी प्रकार की पैथोलॉजी जाँच • X-ray
•ICU, NICU, PICU क्रिटिकल केयर • 24x7 आपातकालीन सेवा • ब्लड बैंक सुविधा • आधुनिक फार्मेसी • ECG
कैम्प की तारीख
13 अक्टूबर 2026
समय
प्रातः 10 बजे से
दोपहर 1 बजे तक
संह सयोजक
Sangai Healthcare Pvt. Ltd.
• हरियाणा सरकार • रेलवे • ECHS • आयुष्मान भारत एवं
प्रमुख TPA पैनल पर कैशलेस सुविधा उपलब्ध
मिनी बाईपास, नजदीक बस स्टैण्ड, भिवानी (हरियाणा) 127021
9518809328
9992444995
24x7 EMERGENCY
& INDOOR FACITIES AVAILABLE

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने किया कॉलेज का निरीक्षण

सफाई व्यवस्था दुरुस्त होना बहुत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी


भिवानी। निरीक्षण के दौरान मरीजों से बात करती महिला आयोग की उपाध्यक्ष। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने शनिवार को पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां पर व्यवस्थाओं को जायजा लिया और चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मीना परमार ने यहां शौचालयों की सफाई व्यवस्था चेक की, जो कि दुरुस्त नहीं मिली। इस पर उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी चिकित्सा संस्थान में महिला शौचालय की सफाई व्यवस्था दुरुस्त होना बहुत जरूरी है। सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है। यहां बीमार लोग उपचार के लिए आते हैं वहीं मरीजों के साथ में तीमारदार भी आते हैं। साफ शौचालयों के साथ-साथ पेयजल भी स्वच्छ होना चाहिए। मीना परमार ने यहां पंजीकरण व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि महिलाओं को पंजीकरण के लिए अधिक देर तक लाइनों में खड़ा ना होना पड़े। ज्यादा देर तक लाइनों में खड़ा होने से बीमार लोगों की परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है।

शिकायत पर होगी कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य महिला आयोग महिलाओं के हकों के लिए गंभीर है। आयोग के पास में महिलाओं से संबंधित जो भी समस्याएं आती हैं, आयोग द्वारा उन पर गहनता से कार्रवाई की जाती है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि यदि उपचार के दौरान भी किसी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है तो महिलाएं आयोग में अपनी शिकायत दे सकती हैं। उनकी शिकायत पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग द्वारा प्रदेश भर के अलग-अलग जिलों से पहुंची शिकायतों पर सुनवाई की जा रही है।

खबर संक्षेप

छोटी काशी में भव्य कलश यात्रा आज

भिवानी। छोटी काशी भिवानी में भव्य कलश यात्रा के साथ आज श्री राम कथा का आयोजन शुरू होने जा रहा है, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर प्रभु श्रीराम के जयकारों के साथ नगर परिक्रमा करेंगी। भक्ति, उत्साह और धार्मिक उल्लास से परिपूर्ण यह यात्रा 11 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर से शुरू होकर न्यू हाऊसिंग बोर्ड स्थित कथा स्थल राजश्री बैंकेट हॉल तक परिक्रमा करेगी। इसके साथ ही 11 से 20 तक पूज्य संत रामझूलन दास जी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का आयोजन होगा। कथा शाम 4 बजे से प्रारंभ होगी।

धर्मपाल सैनी की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आज

भिवानी। सैनी कल्याण परिषद भिवानी द्वारा नेत्रदाता स्वर्गीय धर्मपाल सैनी की पुण्यतिथि पर 11 अक्तूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर नेहरू पार्क के सामने स्थित सैनी धर्मशाला में होगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया है। परिषद के उपप्रधान एवं रक्त प्रभारी ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि शिविर के माध्यम से जीते जी रक्तदान, जाते जाते नेत्रदान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

पहले नवरात्र पर सुबह 6:19 से 10:12 बजे तक रहेगा कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

शारदीय नवरात्र आज से, नौ दिनों तक मंदिरों में गूंजायमान होंगे माता रानी के जयकारे

नवरात्रों की पूर्व संध्या पर महिलाओं ने की जमकर खरीदारी

राकेश भटटी ▶▶| भिवानी

शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर रविवार से शुरू होकर 19 अक्टूबर रविवार को ही संपन्न होंगे और शहर के सभी मंदिर में नौ दिनों तक जगत जननी माता रानी के जयकारों गूंजायमान होंगे। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर पृथ्वी लोक पर पधारेंगी, जो ग्रह-नक्षत्रों के विशेष संयोग से आध्यात्मिक उन्नति की उम्मीद का संकेत हैं। 11 अक्टूबर रविवार को पंचांग के अनुसार प्रातःकाल 6:19 से 10:12 बजे तक घटस्थापना का शुभ मुहूर्त रहेगा और सुबह 11:44 से दोपहर 12:31 बजे तक अभिजीत मुहूर्त है। नवरात्र की पूर्व संध्या पर श्रद्धालुओं ने बाजारों में जमकर खरीददारी की। 20 अक्टूबर को विजयादशमी के साथ पर्व का समापन होगा। नवरात्रों में नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग अलग नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना, मंत्र जाप, व्रत किए जाएंगे। पारंपरिक मान्यता के अनुसार गजकेसरी योग ज्ञान, विवेक, प्रतिष्ठा और सकारात्मक प्रयासों का प्रतीक माना जाता है।

शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर रविवार से शुरू होकर 19 अक्टूबर रविवार के दिन ही संपन्न होंगे। सभी मंदिर नौ दिन तक जगत जननी माता रानी के जयकारों से गूंजायमान होंगे। 11 रविवार को पंचांग के अनुसार प्रातःकाल 6:19 से 10:12 बजे तक घटस्थापना का शुभ मुहूर्त रहेगा और सुबह 11:44 से दोपहर 12:31 बजे तक 47 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त है, जिसमें श्रद्धालु घटस्थापना एवं पूजन कर सकते हैं। नवरात्रों की पूर्व संध्या पर महिलाओं व श्रद्धालुओं ने नवरात्र की जमकर खरीददारी की। वहीं शहर के मंदिरों को लाइटों, लड्डियों से सजाया और मंदिरों में स्थापित माता रानी के दरबार को सुंदर पोशाक पहनाई गई। मंदिर में साफ सफाई की, ताकि माता रानी की विशेष कृपा बरसे एवं उनका आशीर्वाद मिले। वहीं 20 अक्टूबर को विजयादशमी दशहरा पर्व मनाया जाएगा।



भिवानी। सराय चौपटा में दुकान पर नवरात्र की पूजा अर्चना का सामान खरीदती महिलाएं।

मंदिरों में रहती भीड़

नवरात्रों में माता रानी के दर्शनों के लिए शहर के अलावा गांवों के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ रहती हैं। नया बाजार स्थित भोजावाली देवी माता मंदिर व जीतूवाला फाटक पार स्थित दुर्गा कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ रहती हैं। वहीं हनुमान ढाणी स्थित जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर, रेलवे रोड गुफावाला माता मंदिर, बाबा जहरगिरी मंदिर सहित शहर के अनेक मंदिरों में माता रानी का दरबार सजाया और मंदिरों को लाइटों व लड्डियों से सजाया गया। गांव देवसर स्थित मां भवानी मंदिर को भी बड़े ही सुंदर ढंग से सजाया, जहां नौ दिन तक श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ भी रहती हैं।

माता रानी के नौ स्वरूपों की होगी पूजा

घट स्थापना करके पहले नवरात्र 11 अक्टूबर रविवार को मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें गाय का घी का भोग लगेगा। वहीं दूसरे नवरात्र 12 अक्टूबर को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होगी, जिनको शक्कर व मिश्री का भोज लगाया जाएगा। 13 को मां चंद्रघण्टा का दूध या खीर, 14 को मां कुष्माण्डा का मालपुड़ा या फल, 15 को मां स्कंदमाता का केले, 16 को मां कात्यायनी का शहद, 17 को मां कालरात्रि का गुड़, 18 को मां महागौरी का नारियल व सफेद मिठाई तथा 19 अक्टूबर रविवार को मां सिद्धिदात्री का तिल या हलवा-पूरी-चना का भोग लगाकर व कन्याओं का पूजन किया जाएगा। इसके बाद कन्याओं को भोजन करवाकर रामनवमी मनाई जाएगी व नवरात्रों का समापन होगा।

माता रानी का हाथी पर आना शुभ



केएल ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के ज्योतिषाचार्य पंडित विजय शास्त्री ने बताया कि रविवार के दिन नवरात्र शुरू हो रहे हैं और पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष नवरात्र के शुभारंभ पर मां दुर्गा का आगमन हाथी पर माना जा रहा है, जो धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुभ संकेत हैं। इससे ये प्रतीत होता हैं कि सालभर अच्छी बरसात होगी और किसानों को भरपूर उपज मिलेगी। वहीं देश दुनिया में स्थिरता व शांति बनी रहेगी। माता की नौ दिन तक पूजा विधि विधान अनुसार करने के लिए जौ, धूप, फूल, पान, फल, लौंग, कपूर, अक्षत, सुपारी, कलश, कलावा, नारियल, माता की लाल चुनरी, लाल वस्त्र, इलायची, पान के पत्ते, लालचंदन, दीपक व माता का श्रृंगार का इस्तेमाल करें।

बाजारों में अच्छी-खासी भीड़ रही

श्राद्धों के समाप्त होते ही शनिवार के दिन शाम को बाजारों में अच्छी खासी भीड़ रही। नवरात्रों में माता रानी के भक्त महिला व पुरुष नौ दिन पर उपवास रखकर माता रानी से आशीर्वाद की कामना करते हैं। नवरात्रों पर माता रानी के पूजन के लिए किरयाणा की दुकानों पर व्रत में कुट्टू का आटा, सामक, काली मिर्च, सेंधा नमक, पापड़, पेठा मिठाई व व्रत में खाने वाली चीजों की खरीददारी के लिए भीड़-भाड़ रही। दुकानदारों ने हमेशा की तरह दुकान में सामान की लिस्ट दिखाकर फटाफट ग्राहकों को सामान उपलब्ध करवाया। वहीं अनेक दुकानों पर दुकानदारों ने पहले से पैकिंग करके सामान रखा और तुरंत ग्राहकों को सौंप दिया। वहीं नवरात्रों में फलों व सब्जियों के भावों में बढ़ोतरी हुई। नवरात्रों में पूर्व की अपेक्षा भावों में बढ़ोतरी से आमजन को परेशानी हुई।

खबर संक्षेप

हरियाणा स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप 14 से

भिवानी। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में 59वीं अंडर-15 तथा अंडर-17 हरियाणा स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 14 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक बैडमिंटन वेलफेयर एसो. भिवानी द्वारा बजरंग बली कॉलोनी स्थित बर्डी बैडमिंटन अकादमी में किया जाएगा। प्रतियोगिता की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर बैडमिंटन वेलफेयर एसो. भिवानी के प्रधान प्रोफेसर सुरेश गुप्ता तथा महासचिव सतवेंद्र सिंह ने बताया कि भिवानी में पहली बार स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन करवाया जाएगा। गुप्ता व सिंह ने बताया कि खेल महाकुंभ में प्रदेशभर से लगभग 800 (लड़के एवं लड़कियां) उभरते हुए खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता प्रदेश के युवा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता और खेल कौशल को प्रदर्शित करने का स्वर्णिम अवसर साबित होगी। प्रधान सुरेश व महासचिव सतवेंद्र ने कहा कि बाहर से आने वाले खिलाड़ियों और उनके कोचों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। भिवानी में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन से खेलप्रेमियों और युवा एथलीटों में भारी उत्साह और ऊर्जा का माहौल है।

भूमिका ने प्रथम प्रयास में नीट परीक्षा पास की



तोशाम। गांव खरकड़ी सोहान की होनहार बेटी भूमिका ने मात्र 17 वर्ष की आयु में अपने प्रथम प्रयास में ही नीट परीक्षा में 580 अंक प्राप्त कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर भूमिका ने चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश का अपना सपना साकार किया है। भूमिका ने पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, भिवानी में एमबीबीएस की सीट पक्की कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भूमिका ने बोर्ड परीक्षा में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि जेईई मेन्स में 98.2 परसेंटाइल हासिल किए। इसके साथ ही नीट में 580 अंक प्राप्त कर उन्होंने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा और मेहनत का परिचय दिया। भूमिका की इस उपलब्धि में काबिले तारीफ यह है कि उन्होंने नीट में अपने प्रथम प्रयास में ही सफलता हासिल कर ली है। भूमिका के दादा राज कुमार पंघाल के अनुसार, भूमिका बचपन से ही पढ़ाई में तेज रही है। उसमें शुरू से ही कुछ नया सीखने और अपने लक्ष्य को हासिल करने की लगन रही है। भूमिका के पिता देवेंद्र कुमार शिक्षक हैं और माता बिंदु प्रवक्ता हैं उनको अपनी बेटी की उपलब्धियों पर गर्व है। इस मौके पर किताब सिंह, सुरेश ड्राइवर, छोटू टाला, धर्मवीर टाला, राजेश लेक्चरर, धर्मवीर , नरेंद्र पंघाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भूमिका को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा भविष्य में एक कुशल डॉक्टर बनकर समाज सेवा की आशा व्यक्त की।

नीट में 580 अंक हासिल कर पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, भिवानी में पक्की की एमबीबीएस की सीट

दस्तावेज और स्टॉक खंगाला लाखों की नकदी मिली

जीएसटी एंटी इवेजन विंग की बड़ी कार्रवाई एक फर्म की दुकान व गोदामों पर मारा छापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

रेलवे स्टेशन रोड स्थित फर्नीचर और इलेक्ट्रोनिक फर्म पर जीएसटी एंटी इवेजन विंग रोहतक (कर रोधी शाखा) की टीम ने एक बड़ी छापामार कार्रवाई की है। टीम ने फर्म के मुख्य प्रतिष्ठान के साथ-साथ मालिक के निवास स्थान और आसपास स्थित सभी गोदामों पर एक साथ दबिश दी।

बीती देर रात करीब एक बजे तक यह कार्रवाई चली तथा बाद में यह टीम वापिस लौट गई। विभाग की इस रैड में आईआरएस उद्यम पटेल सीएंडआई भी शामिल थे। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे विभिन्न दिशाओं से कई गाड़ियों में सवार होकर राजस्व विभाग की रोहतक की टीम रेलवे स्टेशन रोड स्थित फर्म पर दबिश के लिए पहुंची थी। टीम के करीब दो दर्जन से अधिक सदस्य और दो महिला अधिकारी भी शामिल थी। टीम पे फर्म के प्रतिष्ठान में घुसते ही मालिकों और काम करने वाले सभी लोगों के मोबाइल कब्जे में ले लिए और कार्रवाइशुरू कर दी। जीएसटी अधिकारियों की टीम ने रात करीब एक बजे तक फर्म के तमाम दस्तावेजों, कंप्यूटर रिकॉर्ड और खातों की बारीकी से जांच की। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मौके से लाखों रुपये की नकदी मिलने और स्टॉक रिकॉर्ड में एक करोड़ रुपये से अधिक के गोलमाल की आशंका जताई जा रही है।

बता दें कि रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित जिस फर्म पर यह रेड हुई है, वह कई दशकों पुरानी है और प्लाईवुड, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा हार्डवेयर का बड़ा व्यापार है। जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने फिलहाल मीडिया के साथ जांच से जुड़े विस्तृत आंकड़े साझा करने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि उनकी नियमानुसार जांच और कार्रवाई अभी जारी है। छापामार टीम की यह कार्रवाई पूरी होने और आधिकारिक खुलासा सामने आने के बाद ही कर चोरी या स्टॉक में गड़बड़ी से जुड़े वास्तविक तथ्यों की पुष्टि हो पाएगी।



लोहारू। रेलवे स्टेशन रोड पर देर रात जीएसटी एंटी इवेजन विंग एक फर्म पर रेड के दौरान रिकॉर्ड जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी



अग्रवाल वैश्य समाज ने हरा चारा भेंट किया

चरखी दादरी। महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल वैश्य समाज दादरी की ओर से आयोजित सेवा, समर्पण व सहयोग सप्ताह के छठे दिन श्राद्ध अमावस्या पर गोसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली-रोहतक बाईपास रोड स्थित गोशाला में समाज की ओर से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली हरा चारा भेंट किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने गोवंश को गुड़ व हरा चारा खिलाकर सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में पंडित अमित शास्त्री ने मंत्रोच्चारण के साथ पदाधिकारियों से उनके कुल के पितरों के नाम संकल्प करवाया। पंडित अमित शास्त्री ने कहा कि गोसेवा धार्मिक आस्था के साथ जीवों के प्रति करुणा, संरक्षण और संवेदनशीलता का प्रतीक है। प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानी वाला और महासचिव बलराम गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के जीवन दर्शन में सेवा, सहयोग, समानता और लोक कल्याण का विशेष महत्व है। इस अवसर पर सुरेश पांडवानिया, सुरेश ऐरन, विनोद जैन, पवन लुहानी वाला, आकाश गर्ग, श्रवण गुप्ता, गणेश गोयल, हरिराम बबलू, संदीप गोयल, विनोद गर्ग, नरेश गर्ग, संजय गर्ग, निरंजन सिंगला आदि मौजूद रहे।



गोसेवा व नंदी सेवा के साथ जयंती महोत्सव शुरू

चरखी दादरी। अग्रवाल सभा चरखी दादरी की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रमों का शुभारंभ शनिवार को सेवा, दान और जीव कल्याण के कार्यों के साथ किया गया। पहले दिन श्री कृष्ण गो शाला में गोमाता के लिए सवामणी और नंदीशाला में नंदी सेवा के लिए सवामणी प्रसाद का आयोजन हुआ। सुरेश कुमार पाण्डवानिया ने कहा कि महाराजा अग्रसेन का जीवन समाज सेवा, समानता और परस्पर सहयोग की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को अपनाते हुए जरूरतमंदों की सहायता और जीवों के प्रति दया का भाव रखना चाहिए। बिशंबर देवसरिया ने कहा कि गोसेवा और जीव सेवा भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपराएं हैं। ऐसे आयोजन समाज में दान, समर्पण और परोपकार की भावना को मजबूत करते हैं। हरिराम खुडानिया ने कहा कि सेवा और परोपकार सामाजिक एकता के आधार हैं। अग्रवाल सभा के प्रधान कैलाश चंद रिटोलिया ने अतिथियों और समाजबंधुओं का स्वागत किया।

मिठी गांव के समीप थार गाड़ी बनी आग का गोला



बहल। हिसार से बहल आ रही थार गाड़ी शनिवार दोपहर मीठी गांव के समीप अचानक आग की लपटों से घिर गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और थार आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि चालक समय रहते गाड़ी से नीचे उतर गया, जिससे उसकी जान बच गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने ट्रैक्टर टैंकरों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। चैहड़ खुर्द निवासी गाड़ी मालिक सतीश ने बताया कि वह शनिवार को हिसार से बहल आ रहा था। दोपहर 2:30 बजे जब वह मीठी गांव के समीप पहुंचा तो उसे गाड़ी से कुछ जलने जैसी गंध आने लगी। उसने तुरंत गाड़ी रोक दी और नीचे उतरकर बोनट खोलने का प्रयास किया, लेकिन इससे पहले ही आग की लपटें उठने लगीं। चंद मिनटों में आग पूरी गाड़ी में फैल गई।

बहल में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया



भिवानी। वोट चोरी रोकने और लोकतांत्रिक एवं निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की मांग को लेकर शनिवार को बहल में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अनाज मंडी से पुराने बस स्टैंड तक निकाले गए मार्च में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बाजार में ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाया। इंडिया गठबंधन के अलावा अखिल भारतीय किसान सभा ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। रोष मार्च का नेतृत्व किसान सभा के दयानंद पूनिया, कांग्रेस के जिला चेयरमैन, कांग्रेस लीगल सेल शक्ति सिंह गाढ़ा और बीडीसी सदस्य दलबीर नंबरदार ने किया। मार्च में शामिल कार्यकर्ताओं ने चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता सुनिश्चित करने और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता जरूरी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

प्रशासन के निर्देश और गोरक्षकों की अपील बेअसर

आठ गोवंश की हालत बिगड़ी, सांड गंभीर

■ गोरक्षकों और प्रशासन ने शहरवासियों से गोवंश को अत्यधिक मात्रा में गोग्रास न देने की लगाई थी गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

श्राद्ध पक्ष की अमावस्या पर श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा एक बार फिर प्रशासनिक निर्देशों व गोरक्षकों की अपील एवं जागरूकता पर भारी पड़ती नजर आई। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की थी कि वे सड़कों पर घूम रहे गोवंश को रोटी, खीर, पूरी, हलवा और अन्य तले हुए पदार्थ न खिलाएं। वहीं गोरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार के नेतृत्व में गोरक्षकों ने भी शहरवासियों से गोवंश को अत्यधिक मात्रा में गोग्रास न देने की गुहार लगाई थी। हालांकि आमजन पर इन अपीलों का कोई खास असर नहीं दिखा और लोगों ने सडक़ों पर खड़े गोवंश को भारी मात्रा में रोटी, खीर, पुरी, हलवा व तला हुआ भोजन खिलाया।



भिवानी। गोशाला में उपचाराधीन अत्यधिक गोग्रास का सेवन से पीड़ित गोवंश।

अत्यधिक गोग्रास खिलाने के चलते परिणाम ये निकला कि दोपहर तक आठ गोवंश की तबीयत बिगड़ने के केस सामने आए, जिसमें से 7 गाय व एक सांड था। यही नहीं सांड की स्थिति तो काफी गंभीर थी, जिनका इलाज महम रोड श्रीगोशाला ट्रस्ट में किया जा रहा है। गोरक्षकों की अपील को अनसुना कर भोजन खिलाने के कारण शहर में अनेक स्थानों पर नागरिकों और गोरक्षकों के बीच तीखी नोक-झोंक भी देखने को मिली। स्थिति को संभालने और माहौल को शांत करने के लिए कई जगहों पर पुलिस तक बुलानी पड़ी। गोरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने कहा कि श्राद्ध पक्ष के दौरान अत्यधिक मात्रा में रोटी, खीर, पूरी, हलवा और वसायुक्त भोजन खाने से गोवंश का पाचन तंत्र पूरी तरह बिगड़ जाता है। उन्होंने बताया कि गायों का पेट भारी और तले हुए खाद्य पदार्थों को पचाने के लिए उपयुक्त नहीं होता। अमावस्या के दिन दोपहर तक आठ मामले सामने आए, जो अत्यधिक गोग्रास देने से गोवंश की हालत बिगड़नेके है। वहीं गोवंश की मौत के आंकड़े भी अगले दिन सामने आएंगे। वहीं पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत के निर्देशानुसार जिले में पशु चिकित्सकों की 9 टीमें 24 घंटे मुस्तैद रही तथा अत्यधिक गौग्रास से बीमार होने वाले पशुओं को उपचार किया जा रहा है।



अमावस्या पर श्रीअग्रवाल महिला मंडल ट्रस्ट ने वितरित किया प्रसाद

भिवानी। श्राद्ध पक्ष की अमावस्या पर शनिवार को अग्रसेन चौक के नजदीक श्रीअग्रवाल महिला मंडल ट्रस्ट ने प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान ट्रस्ट की सदस्यों ने राहगीरों, जरूरतमंदों एवं श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया, जिससे संपूर्ण क्षेत्र में सेवा भाव और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। इस सेवा कार्य पर श्रीअग्रवाल महिला मंडल ट्रस्ट की चेयरपर्सन सीमा बंसल ने कहा कि युगपुरुष ने हमें हमेशा यही अमर और शाश्वत संदेश दिया है कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति एवं प्राणी तक मदद एवं स्नेह पहुंचना चाहिए। ट्रस्ट की प्रधान नीतू बंसल ने कहा कि अग्रवाल समाज हमेशा से दान, परोपकार और सामाजिक सहभागिता में अग्रणी रहा है। इस अवसर पर रेखा अग्रवाल, प्रीति गोयल, सीमा अग्रवाल, रूबी अग्रवाल, निर्मला जैन, मुकेश अग्रवाल व किरण बंसल आदि मौजूद रही।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन



भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

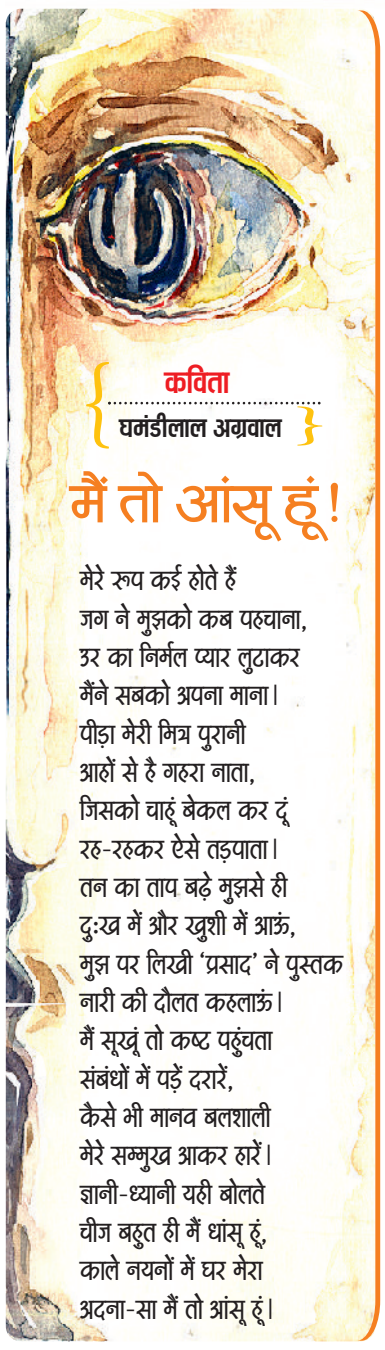
मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *



कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



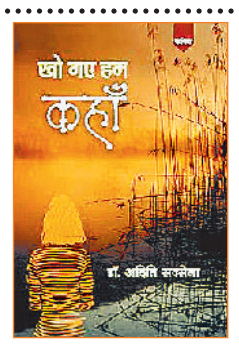
उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए



हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

द्वीपीय जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता

अंडमान-निकोबार का कोकोनट कार्निवल



नारियल की खुशबू, समुद्री लहरों की हरहराती आवाज और स्थानीय संस्कृति के विविध रंग, अंडमान और निकोबार द्वीप का कोकोनट कार्निवल इन सबको एक साथ समेटता है। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव, नारियल के बहाने इन द्वीपों के खान-पान, परंपरा, कला और संस्कृति से भी रूबरू कराता है।

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

समुद्र के बीच में बसे द्वीपों की अपनी एक अलग भाषा होती है। रास्तों के किनारे झूमते नारियल के पेड़ किसी स्वागत द्वार की तरह लगते हैं और दूर तक फैला नीला पानी यह एहसास करा देता है कि भारत की भौगोलिक कहानी सिर्फ पहाड़ों, मैदानों और रेगिस्तान तक ही सीमित नहीं है। अंडमान-निकोबार पहुंचकर नजर जब नारियल के पेड़ों पर ठहरती है, तो समझ में आता है कि यहां नारियल महज एक फल या पेड़ नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, खानपान और स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा भी है। इस रिश्ते को उत्सव में बदल देता है यहां का कोकोनट कार्निवल, जो इस साल 17 से 18 अक्टूबर 2026 को आईटीएफ ग्राउंड, विजय पुरम पोर्ट ब्लेयर में आयोजित होगा।

द्वीपीय जीवनशैली को करीब से देखने का मौका

अंडमान-निकोबार में हर साल अक्टूबर माह में आयोजित होने वाला यह यह पारंपरिक मेला, अपना एक अलग ही चुंबकीय आकर्षण रखता है। इस मौके पर यहां आने वाले पर्यटकों को इन द्वीपों की असली जीवनशैली को करीब से देखने का मौका मिलता है। नारियल से बने खाद्य पदार्थ, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय स्वाद, सब मिलकर इसे सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अंडमान की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान की झलक बना देते हैं। सैलानियों के लिए किसी जगह की असली खूबसूरती उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से आगे शुरू होती है। समुद्र तटों की तस्वीरें तो हर पर्यटक खींचता है, लेकिन उन समुद्र तटों के आस-पास रहने वाले लोगों का जीवन कैसा है, वे क्या खाते हैं, क्या बनाते हैं और अपनी प्राकृतिक संपदा को किस तरह देखते हैं? इस सबको जानना यात्रा को एक अनोखा अनुभव बना देता है।

समझ आती है नारियल की बहुपयोगिता



यहां पहुंचकर लोगों को पता चलता है कि नारियल सिर्फ मंदिर में चढ़ाने या कुछ मिठाईयों में इस्तेमाल होने तक सीमित नहीं है। इसकी उपयोगिता की बहुत लंबी-चौड़ी लिस्ट है। इसका पानी हमारी प्यास बुझाता है। इसकी गिरी हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती है। इसका तेल खान-पान से लेकर दूसरे घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है, जबकि इसकी जटा और खोल से कई तरह के उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। द्वीपों में इसकी मौजूदगी इतनी स्वाभाविक है कि पर्यटकों को शायद पहली नजर में इसकी आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका का अंदाजा भी न हो। कोकोनट कार्निवल इसी रोजमर्रा की चीज को उत्सव के केंद्र में लाकर इसके महत्व को उजागर करता है।

अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ

इस कार्निवल की एक और खूबी है, यहां पर बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के लजीज स्वाद। अंडमान की यात्रा समुद्री भोजन के स्वाद के बिना अधूरी रहती है। स्थानीय भोजन में कई तरह के समुद्री खाद्य पदार्थों के साथ नारियल की संगति यहां देखते ही बनती है। नारियल आधारित चटनियां, करी और दूसरे स्थानीय व्यंजन यहां आने वाले पर्यटकों को उस स्वाद से परिचय कराते हैं, जो किसी होटल के सामान्य मेन्यू में नहीं मिलता। शाकाहारी यात्रियों के लिए भी यहां नारियल आधारित व्यंजनों की अपनी भरी-पूरी दुनिया है।

संस्कृति के विविध आयामों से परिचय

अंडमान-निकोबार कोकोनट कार्निवल, खान-पान के जरिए भी सैलानियों के सामने स्थानीय संस्कृति परोसता है। यहां की संस्कृति के विविध आयाम हैं, जो सदियों से रह रहे यहां के अनेक समुदायों की परंपराओं से मिलकर बनी है। स्थानीय संगीत और नृत्य, हस्तशिल्प तथा रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उत्पाद, इस बात का एहसास कराते हैं कि द्वीपों की संस्कृति मुख्य भूमि से अलग होते हुए भी उसमें भारत की विविधता के चटक रंग घुले हुए हैं।

अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

इस कोकोनट कार्निवल में आया कोई पर्यटक जब स्थानीय उत्पाद खरीदता है, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेता है या स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां देखता है, तो इससे यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से लाभ पहुंचता है। इस तरह उत्सव पर्यटन को केवल होटल्स और दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने की बजाय उसे स्थानीय समुदायों से जोड़ देता है।

हर अनुभव होता है यादगार

सुबह समुद्र के किनारे सूर्योदय, दिन में द्वीपों की सैर और स्थानीय बाजारों की खोज तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव। कोकोनट कार्निवल के समय यहां आने वाले पर्यटक अपनी आंखों में सिर्फ अंडमान-निकोबार द्वीप की खूबसूरती ही नहीं ले जाते बल्कि इस सांस्कृतिक अनुभव को भी ले जाते हैं, जो जीवन भर उनके मन में यहां की याद ताजा बनाए रखता है। कोकोनट कार्निवल की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह किसी पर्यटन अनुभव की नकल करने की बजाय स्थानीय जीवन के साधारण चीज को उत्सव में बदल देता है। एक नारियल के बहाने, प्रकृति, भोजन, रोजगार, हस्तशिल्प, लोकसंस्कृति और पर्यटन, सब एक ही फ्रेम में दिखाई देने लगते हैं। *

रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी द्वीपीय पर्यटन की तरह यहां भी जिम्मेदाराना पर्यटन बहुत जरूरी है। अंडमान-निकोबार के समुद्र तट इसलिए भी लोगों को आकर्षित करते हैं, क्योंकि ये साफ-सुथरे हैं। ऐसे में यह पर्यटकों की जिम्मेदारी भी बनती है कि ये साफ-सुथरे समुद्र तट, बाकी सैलानियों के लिए भी ऐसे ही बने रहें, इसलिए प्लास्टिक कचरा न फैलाना, समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी का सम्मान करना, स्थानीय समुदायों और उनकी परंपराओं की तस्वीर या वीडियो लेने से पहले अनुमति लेना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना जैसी बातों का पालन करें। भले ये छोटी बातें लगती हों, लेकिन संवेदनशील द्वीपों के लिए इनका बड़ा महत्व है।

सफल और समृद्ध जीवन की कामना हम सभी करते हैं। इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आपके व्यक्तित्व और व्यवहार में कुछ विशेष गुणों का होना जरूरी है। इस बारे में जानिए।

आपको सफल-समृद्ध बनाएंगी

व्यक्तित्व की खूबियां-आदतें

सक्सेस मंत्र
नेहा जैन



किसी ने क्या खूब कहा है, दौलत तिजोरी या बैंक खाते में आने से पहले सोच में जन्म लेती है। यानी सफल और समृद्ध होने के लिए हमारी सोच और व्यक्तित्व में कुछ आदतों का शामिल होना जरूरी है।

खुद पर भरोसा: हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत तालियों से नहीं होती। कई बार शुरुआत संदेह और उपहास से होती है। असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों में अपने विचार और अपनी क्षमता पर एक मजबूत विश्वास दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि वे हर समय सही होते हैं। बल्कि वे गलत होने की संभावना के बावजूद कोशिश करने का साहस रखते हैं। आत्मविश्वास का सही अर्थ है- 'मुझे सब कुछ नहीं आता, लेकिन मैं सीख सकता हूं।' यही सोच नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करती है।

भविष्य का सही अनुमान लगाने की आदत: आम लोग व्यवसाय के लिए देखते या विचार करते हैं कि आज बाजार में क्या चल रहा है? लेकिन असाधारण सोच वाला व्यक्ति सोचता है कि कुछ वर्षों बाद लोग क्या चाहेंगे? बाजार में किस उत्पाद या सेवा की मांग होगी। यही फर्क कई बार विचार और नवाचार के बीच होता है। तकनीक बदल रही हैं, लोगों की आदतें बदल रही हैं, काम करने के तरीके बदल रहे हैं- इन बदलावों को समझकर आगे की तैयारी करना दूरदृष्टि है।



आलोचना से बेपरवाह: जैसे ही आप कुछ नया करेंगे, राय देने वाले लोग मिल जाएंगे। कोई कहेगा, 'यह तुम्हारे बस का नहीं।' कोई कहेगा, 'इसमें पैसा नहीं है।' कोई आपके पुराने अनुभवों का हवाला देकर आपको रोकने की कोशिश करेगा। आलोचना से भागना नहीं चाहिए। लेकिन हर राय को दिल और दिमाग पर नहीं लेना चाहिए। इस विषय में सुलझा हुआ तरीका है सलाह सुनो, उसके तथ्य जांचो, उपयोगी बात अपनाओ और अंतिम निर्णय सोच-समझकर खुद लो।

बेहतर बनने की भूख: असाधारण लोग केवल सफलता पाने की इच्छा नहीं रखते। वे अपने काम में उत्कृष्टता की तलाश करते रहते हैं। यह मानसिकता दूसरों को हराने की तुलना में कहीं अधिक उपयोगी है। यह सूत्र लंबे समय में असाधारण परिणाम दे सकता है।

वर्तमान सुख के बदले बड़ा लक्ष्य: मान लीजिए आपके सामने दो विकल्प हैं अभी दो घंटे मोबाइल पर मनोरंजन या वही दो घंटे किसी जरूरी कौशल को सीखने में लगाना। तुरंत मिलने वाला सुख आकर्षक होगा। लेकिन भविष्य का लाभ अकसर कम दिखाई देता है। इसीलिए आत्म-अनुशासन इतना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब जीवन से आनंद खत्म करना नहीं है। इसका अर्थ है यह समझना कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं।

पैसे की बचत जरूरी: सफल-समृद्ध लोग जानते हैं कि धन का अर्थ केवल अधिक कमाना नहीं है। धन को संभालना, बचाना और समझदारी से उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कोई व्यक्ति आय बढ़ा सकता है, लेकिन यदि उसका पूरा पैसा अनियोजित खर्च हो जाए तो आर्थिक सुरक्षा नहीं बनती। यानी पैसे को केवल उपभोग में खत्म करने के बजाय उसे भविष्य के लिए उपयोगी बनाना चाहिए।

जिम्मेदारी स्वीकार करना: जीवन में बहुत कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर होता है। बाजार, मौसम, दूसरे लोगों के फैसले और कई परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। साथ ही आपको समझना चाहिए कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है, जिस पर हमारा नियंत्रण रहता है जैसे-हमारी तैयारी, हमारा व्यवहार, हमारा अगला कदम। यही जिम्मेदारी की भावना व्यक्ति को निष्क्रिय शिकायत से सक्रिय प्रयास की ओर ले जाती है।

सीमित जोखिम लेना: सफलता की कहानियां अकसर जोखिम से जुड़ी होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सफल व्यक्ति आंख बंद करके जोखिम लेते हैं। समझदारी यह है कि जोखिम और संभावित लाभ दोनों को देखा जाए। किसी नई स्किल को सीखने में समय लग सकता है, लेकिन वह वर्षों तक उपयोगी हो सकती है। कोई नया व्यवसाय शुरू करने से पहले बाजार, पूंजी, मांग और संभावित नुकसान समझना जरूरी है। *

हालांकि पान मूल रूप से भारतीय पौधा नहीं है। लेकिन इसकी पहचान प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक संदर्भों, पूजा-पाठ से लेकर औषधि और सामाजिक प्रतिष्ठा के तौर पर इसका उपयोग किया जाता रहा है।

प्राचीन काल से बरकरार है

भारतीय संस्कृति में पान की शान

संस्कृति
शाहिद ए. चौधरी





पान के पत्ते को लेकर रामकथा में सुंदर प्रसंग का वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम का संदेश लेकर जब हनुमानजी लंका की अशोक वाटिका में पहुंचे तो संदेश पाकर माता सीता अत्यधिक प्रसन्न हो गईं और वह इसके लिए हनुमानजी को कोई उपहार देना चाहती थीं, लेकिन उन्हें आस-पास कोई फूल नहीं मिला। तब उन्होंने पास के एक पौधे से ताजा पत्ते तोड़े और उनको आपस में गूंथकर, आशीर्वाद के साथ हनुमानजी को प्रदान किया। वह पौधा पान का था। चूंकि यह प्रेमाशीष माता सीता से उन्हें मिला था, इसलिए हनुमानजी के लिए पान के पत्ते अति प्रिय हो गए, विशेषकर इसलिए कि यह सम्मान, शुद्धता व नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मान्यता है कि तभी से पूजा के दौरान जब हनुमानजी को पान के पत्ते या उनकी माला को अर्पित किया जाता है, तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें माता सीता के आशीष की याद आ जाती है। इससे हनुमानजी भक्त को सुख, अच्छी सेहत के आशीर्वाद के अतिरिक्त उसके समक्ष आने वाली बाधाएं भी दूर कर देते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में वर्णन: पान, जिसे तंबुला भी कहते हैं, का उल्लेख प्राचीन संस्कृत, तमिल साहित्य और पांचवीं शताब्दी के कालिदास के लेखन में भी मिलता है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता में पान की तारीफ करते हुए बताया गया है कि यह पाचन में मदद करता है, श्वास में ताजगी लाता है और शरीर के दोषों को संतुलित करता है। कामसूत्र में कहा गया है कि पान चबाने से पौरुष में वृद्धि होती है। इस पृष्ठभूमि में पान का भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा बनना स्वाभाविक था और वह भी इस सीमा तक कि प्राचीन व मध्ययुग की हिंदू रियासतों (जैसे कन्नौज) में राजा के हाथों से पान हासिल करना बहुत बड़ा शाही सम्मान माना जाता था। स्वागत व विदाई में पान के पत्तों की संख्या से हैसियत मालूम होती थी- राजा को 32 पान, राजकुमार को 24 पान, ज्ञानी को 12 पान और साधारण व्यक्ति को 4 पान प्रदान किए जाते थे। औपचारिक समारोह में मेजबान दोनों हाथों से पान पेश करता था। दूसरों के सामने पान खाना और उन्हें पेश न करना अभद्रता में शुमार होता था। प्रतिद्वंदी से पान लेने के लिए मजबूर होना अपमान का घूंट पीना था। महिला द्वारा पुरुष को पान देना उसे आमंत्रित करना था।

इतिहास में मिलते हैं संदर्भ: दिलचस्प बात यह है कि पान, भारतीय पौधा नहीं है। यह इंडोनेशिया के द्वीपों व मलय प्रायद्वीप से पानी के व्यापारी जहाजों के जरिए भारत आया। कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर (जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजवंश ने कराया था) की बाहरी दीवारों पर एक महिला को पान के पत्ते लिए हुए दर्शाया गया है, जिससे मालूम होता है कि पान को भारत में सदियों पहले स्वीकृति मिली और अब कोई हिंदू समारोह इसके बिना पूर्ण नहीं होता है।

तमिल संगम कविता 2,000 वर्ष पुराने संसार को बयान करती है जो पान से परिचित थी। पातिप्पलाई कविता में पुहार के व्यस्त बाजारों का वर्णन है, जहां पान के पत्ते बेचे जाते थे। मदुरैकांची कविता में पान की खेती व बिक्री का जिक्र मिलता है, जबकि कुसुंटोकाई कविता में बताया गया है कि छाली के साथ पान पेश करना मेजबानी व प्रेम का प्रतीक माना जाता था। असम में मेहमान को सबसे पहले छालियां या सुपारी पेश की जाती थीं। भूटान में जब भी दो लोग मिलते तो 'डोमा ज्हेस' (कृपया पान व छाली लें) कहते।

मुगलकाल में पान का सेवन ललित कला के स्तर तक पहुंच गया। चांदी व सोने के पानदान कुलीन जीवन का आवश्यक अंग बन गए। यूरोपीय यात्रियों जैसे थॉमस रो ने लिखा है कि बादशाह जहांगीर के अपने पानदान से पान मिलना जबरदस्त राजनयिक सम्मान का प्रतीक था। दिल्ली व लखनऊ के नवाबी दौर में पान शेर-ओ-शायरी, संगीत व तवाइफों की तहजीब का हिस्सा बन गए। ब्रिटिशकाल में पान का कुलीन सांस्कृतिक स्टेटस कम होने लगा। ब्रिटिश प्रशासनिक व सेनेटरी दृष्टिकोण के तहत पान को 'गंदी देशज प्रथा' के रूप में देखा जाने लगा। छाली व तंबाकू युक्त पान खाने की आदत को मुंह व गले के कैंसर से जोड़ा जाने लगा। लेकिन इस 'कोलोनियल कलंक' के बावजूद पान खाने का सिलसिला जारी रहा।

बरकरार है रुतबा: आज भी रोजमर्रा के स्ट्रीट फूड के रूप में (देश के लगभग हर शहर में आपको पनवाड़ी की दुकान मिल जाएगी), खाने के बाद हाजमे के लिए और मेहमाननवाजी के तौर पर शादियों, उत्सवों व समारोह में। पहले जहां सिर्फ तीन किस्म के पान खाए जाते थे- मीठा पान (गुलकंद, तिल, नारियल आदि युक्त), सादा पान (सिर्फ कत्था, चुना व छाली सहित) व जर्दा पान (तंबाकू सहित) तो अब चॉकलेट, फ्रूट-फ्लेवर, फायर पान आदि भी आ गए हैं। *

शायरों की नजर में पान का अंदाज



'जब हम-कलाम हम से होता है पान खाकर/किस रंग से करे है बातें चबा-चबाकर।' मीर तकी मीर ने अपने इस शेर में फ्लर्ट करने के रोजमर्रा के पलों का शानदार नक्शा खींचा है, जिसमें प्रेमिका का पान खाना लालित्य व शरारत का माध्यम बन जाता है। पान चबाने से बोलना जानबूझकर धीमा, रंगीन, प्यारा व आकर्षण भरा हो जाता है। प्रेमी न सिर्फ शब्दों से मंत्रमुग्ध हो जाता है बल्कि इस वजह से भी कि हर 'चबाया' हुआ वर्ण शोखी में बदल जाता है। प्रेमिका के इस अंदाज से पान खाने पर मुसहफी गुलाम हमदानी कहते हैं- 'पान खाने की अदा ये है तो इक आलम को/खून रुलाएगी मिरी जान दहन-ए-सुर्ख तिरा।' लेकिन जब प्रेमिका अपने प्रेमी को पान देती है, तो असद अली खान कलक के शब्दों में यह होता है- 'होठों में दाब कर जो गिलौरी दी यार ने/क्या दांत पीसे गैरों ने क्या-क्या चबाए होंठ।' इसी विचार को अकबर इलाहाबादी ने इस तरह से कहा है- 'लगावट की अदा से उनका कहना पान हाजिर है/कयामत है सितम है दिल फिदा है जान हाजिर है।'

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में भक्ति गीत और भजनों का क्रेज रहा है। इनमें भी मां दुर्गा को समर्पित कई गीत तो बेहद लोकप्रिय हुए और आज भी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। यहां कुछ ऐसे ही लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें मां दुर्गा की महिमा का वर्णन या उनकी शक्ति का आह्वान किया गया है।

मां दुर्गा की महिमा से दमकते

हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीत

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश



फिल्म 'अवतार' का गीत 'चलो बुलावा आया है..'



फिल्म 'सुहाग' का गीत 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा'

धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब कोई फिल्म बनती है, तो उसे देखने के नए रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस फिल्म का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड फिल्मों में गीतों में स्तुति हुई है लेकिन उनमें से कुछ देवी-देवताओं पर अधिक गीत बनाए गए हैं। मां दुर्गा और उनके विभिन्न स्वरूपों का गुणगान, बॉलीवुड फिल्मों के गीतों में खूब किया जाता रहा है। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें शामिल किए गए मां दुर्गा के एक गीत या भजन ने उस फिल्म को भरपूर लोकप्रियता प्रदान की। 'अवतार', 'आशा' और 'सुहाग' जैसी कई फिल्में इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

'अवतार' का 'चलो बुलावा आया है': फिल्म 'अवतार' वर्ष 1983 में जब आई तो इसकी कहानी ने दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर लिया। राजेश खन्ना और शबाना आजमी ने इस फिल्म में ऐसे माता-पिता का रोल प्ले किया है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसी में जब बच्चा अधिक बीमार होता है, तो दोनों माता वैष्णो देवी के दरबार में जाते हैं और वहां जो चमत्कार होता है, वही इस फिल्म का अहम हिस्सा बन जाता है। फिल्म में नरेंद्र चंचल, महेंद्र कपूर और आशा भोसले द्वारा गाया यह गीत 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है', आज भी घरों-मंदिरों में भक्ति-भाव से खूब गाया, सुना और बजाया जाता है। यह मां दुर्गा को समर्पित सबसे लोकप्रिय भक्ति गीतों में से एक है। शारदीय नवरात्र हो या चैत्र नवरात्र माताराणी का यह फिल्मी भजन अवसर को और भी भक्तिमय बना देता है। मां और दुर्गा मां को केंद्र में रखकर बुना गया यह गीत आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना अपने रिलीज के वक्त हुआ था।



फिल्म 'क्रांतिवीर' का गीत 'जय अंबे जगदंबे मां..'

'आशा' का 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए': सन 1980 में आई फिल्म 'आशा', जितेंद्र, रीना राय और रामेश्वरी के अभिनय से सजी थी। इसमें भी नरेंद्र चंचल और मोहम्मद रफी द्वारा गाया भजन 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए,' खूब लोकप्रिय हुआ। आज चाहे माता वैष्णों के द्वार पर जाने वाले भक्त हों या फिर दूसरे सिद्धपीठों में मां के दर्शन को जाते भक्त, मार्ग से लेकर मंदिर तक, हर कहीं 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए, मैं आया मैं आया शेरा वालिए..' सुनाई पड़ता है। माता रानी के भक्त इसे भक्ति भावना के प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी धार्मिक यात्रा की थकान मिटाने के लिए भी गाते हैं।

'सुहाग' का 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम': 1979 की फिल्म 'सुहाग' जब आई तो एंग्री यंग मैन का जमाना था। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की इस फिल्म का गीत- 'हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली, ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।' मोहम्मद रफी तथा आशा भोसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको ऑल टाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। सही बात तो यह है कि चाहे डांडिया हो या गरबा सभी में इसको खूब बजाया जाता है।



'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत 'मां शेरा वालिए'

नवरात्र पर केंद्रित कई अन्य गीत हुए लोकप्रिय: अलग-अलग दौर में आई कई अन्य फिल्मों में भी मां दुर्गा पर केंद्रित गीत रचे गए। इन गीतों ने भी खूब लोकप्रियता बटोरी। आज भी लोगों के दिलों में इन गीतों की खास जगह है। 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल बाजे, की धाम धाम बाजे ढोल...' भी डांडिया पंडालों में उतना ही लोकप्रिय है, जितना कि इस फिल्म में था। फिल्म 'क्रांति' का 'दुर्गा है मेरी मां, अंबे है मेरी मां' और 'क्रांतिवीर' का 'जय अंबे जगदंबे मां' भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। 'मर्द' में अनु मलिक तथा शब्बीर कुमार का गाया हुआ गीत 'मां शेरोंवाली' उस समय खूब चला, जब यह मूवी आई थी। 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत इसी से मिलता हुआ था 'मां शेरा वालिए, तेरा शेर आ गया।' फिल्मों से अलग हटकर देखें तो माता के जगराते में भी यही शक्ति केंद्र में रही। आज तक गैर फिल्मी जो सबसे अधिक पसंदीदा गीत बना वह है 'प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।' इसे तो लोकगायकों ने भी गाया और फिल्मी गायक-गायिकाओं ने भी। 'अंबे तू है जगदंबे' को तो न जाने कितने गायकों ने गाया है और बॉलीवुड ने इसे कई बार दृश्य को एक नया मोड़ देने के लिए प्रयोग किया।

दर्शकों को खूब लुभाया इन गीतों ने: इस बात में संदेह नहीं कि माता दुर्गा के तमाम रूप हैं जिन्हें बॉलीवुड ने जब तब दर्शकों के सामने अलग-अलग गीतों के रूप में पेश किया। इसके लिए फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत इसमें समाहित किया जा सके। कहानी भी ऐसी जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो जाएं। कुछ भजनों को इस तरह से तैयार किया गया कि वह डांडिया या गरबा में भी चलें और दुर्गा जागरण या सामान्य तौर पर भक्तों को भक्ति में रमा दें। कहने का सार यही है कि बॉलीवुड फिल्मों में मां शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित खूब गीत रचे गए और ऐसे गीत खूब लोकप्रिय भी हुए। *